प्रेस-विज्ञप्ति

माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के सटीक मार्गदर्शन में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता संदेश के प्रसार-प्रचार का दीव बना पथ-प्रदर्शक

दीव अक्तूबर 02, 2019 : एक ओर जहां पूरे भारतवर्ष में माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गांधी जी के जन्म दिवस पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर संघ प्रदेश दमण एवं दीव तथा दादरा नगर हवेली के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप प्रदेशवासी स्वत: प्रेरणा से स्वच्छता के प्रति समर्पित हो रहे हैं । स्वच्छता के प्रति दीववासियों का समर्पण आज पूरे भारतवर्ष में चर्चा का विषय है।

आज दीव में स्वच्छता ही सेवा की भावना जन-जन में वायरल हो गई है। अब लोग स्वयं भी स्वच्छ रहने की कवायद कर रहे हैं और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इसका जीता-जागता सबूत हर ओर वायरल हो रहे एक वीडियो क्लीप है, जिसमें न्यूज चैनल इंडिया टी.वी. पर श्री के.जी. सुरेश दीव यात्रा के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हैं। क्लीप में इंडिया टी.वी. के संवाददाता के सवाल का जबाव देते हुए श्री के.जी. सुरेश ने अपना एक अनुभव साझा करते हुए बताया कि- एक बार जब वह दीव शहर की यात्रा पर गये और वहां फोर्ट घुमने के बाद नीचे आकर आईसक्रीम दुकानदार से आईसक्रीम के साथ रैपर मांगा, तो दुकानदार ने रैपर देने से मना करते हुए कहा कि मैं आपको रैपर नहीं दूँगा । कीमत अदा करने के बावजूद भी उसने रैपर देने से माना किया और कहा कि यहां आने वाले पर्यटक यहॉ-वहॉ रैपर को फैंक देते हैं, जिससे मेरा दीव गंदा होता है और यहां का वातावरण भी प्रदूषित होता है। अगर इसी प्रकार रैपर को यहां-वहां फैंका जाता रहा तो हमारे दीव में गंदगी का अंबार लग जाएगा और यहां पर्यटक आना बंद कर देंगे, जिससे हमारी रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। आईसक्रीम दुकानदार के इस बात को सुनकर श्री सुरेश सकते में आ गये और सोचने लगे कि अगर एक आईसक्रीम दुकानदार की सोच स्वच्छता के प्रति इतनी गंभीर हो गई है, तो निश्यच ही यह स्वच्छता और खासकर प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक वातावरण तैयार हो रहा है।

इस वाकये से यह स्पष्ट हो जाता है कि सोच बदली, लोग बदले और अब हमारा देश बदल रहा है। लोग अब स्वच्छता को एक अभियान ही नहीं समझते, बल्कि अब उसे अपनी रोजी-रोटी से भी जोड़कर देखने लगे हैं। इस वैचारिक क्रांति के नायक निश्चय ही दीव के जागरूक लोग हैं मगर इसके सूत्रपात का श्रेय दीव जिला प्रशासन को जाता है, जिसने संघ प्रदेश के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में जागरूकता का मशाल प्रज्ज्वलित किया है, जो अब उदाहरण बनकर सम्पूर्ण भारतवर्ष में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने में सक्रिय भूमिका अदा करेगा।

विदित हो कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को स्वच्छ और खासकर प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में कमर कस ली है। उन्होंने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों से अपील की कि वे देश को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें। हमारा भविष्य तभी सुसज्जित हो सकता है, जब हम वर्तमान में गंदगी को फैलने से रोकें। उन्होंने बताया कि भारत ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व इस समय प्लास्टिक प्रदूषण के अभिशाप से ग्रसित है। उन्होंने भारतवासियों को स्वच्छता ही सेवा की भावना से जुड़कर स्वच्छता अभियान को सार्थक बनाने को कहा। माननीय प्रधानमंत्री के लक्ष्य से प्रेरित होकर प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी के मार्गदर्शन में दीव में 'स्वच्छता ही सेवा' का संकल्प लेकर जिला प्रशासन द्वारा गहन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

संघ प्रदेश प्रशासक श्री प्रफुल पटेल ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सौंपे गये उत्तरदायित्व को सफलता के साथ पूरा करने की दिशा में अग्रसर हैं। दीव हो या दमण या फिर सिलवासा, हर ओर स्वच्छता को लोगों की आदत में डालने के लिए प्रशासन प्रयासरत है। यह प्रशासन के अपील का ही परिणाम है कि दीव के एक आईसक्रीम विक्रेता ने प्रदूषण रोकने के लिए अपने ग्राहक को रैपर देने से मना कर दिया। मगर प्रशासन का यह प्रयास तभी सार्थक होगा जब लोग स्वयं साफ रहने की कवायद शुरू करें। अगर लोगों ने स्वच्छता का संकल्प ले लिया तो निश्चय ही यह अभियान अपने मुकाम को हासिल कर लेगा। इस प्रेरणा-प्रद क्लीप को देखकर तो ऐसा ही लगता है कि अब लोग जागरूक भी होने लगे हैं। उन्होंने स्वच्छता को अपनी आदत में डालना शुरू कर दिया है। लोगों से अपील की गई है कि वे कपड़े की बनी थैलियों को लेकर खरीददारी करने जाएं और प्लास्टिक की थैलियों को पूर्ण रूप से त्याग दें और दूसरों को भी इस मुहिम से जोड़ें, ताकि "स्वच्छता ही सेवा" का कारवां निरंतर आगे की ओर बढ़ता रहे ।

~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~